भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4214 का उत्तर

आरा-सासाराम रेल लाइन का दोहरीकरण

4214. श्री सुदामा प्रसाद:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आरा-सासाराम रेललाइन के दोहरीकरण के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो परियोजना का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) आरा-भभुआ रोड से मुंडेश्वरी स्थान तक की रेललाइन, जिसके लिए सर्वेक्षण तो कर लिया गया है परन्तु निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) पटना-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, पटना-इंदौर एक्सप्रेस, अकाल तख्त एक्सप्रेस, राजेन्द्र नगर-हावड़ा एक्सप्रेस-रांची एक्सप्रेस (प्रतिदिन चलनी चाहिए), गंगा दामोदर एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को आरा जंक्शन पर ठहराव प्रदान करने के संबंध में रेलवे की प्रतिक्रिया का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा आरा के पूर्वी गुमती क्रासिंग पर पैदल उपरि पुल का निर्माण कार्य समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) रेल दुर्घटनाओं से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए आरा जंक्शन पर प्राथमिक उपचार केन्द्र स्थापित करने और स्टेशन से सदर अस्पताल तक एम्बुलेंस सेवा शुरू करने की लम्बे समय से चली आ रही मांग पर सरकार की प्रतिक्रिया का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को लाइन क्षमता उपयोग और यातायात संभावनाओं के आधार पर शुरू किया जाता है। वर्तमान में, आरा-सासाराम एकल लाइन खंड में वर्तमान

sk

यातायात के लिए पर्याप्त लाइन क्षमता है। बहरहाल, इस खंड में यातायात के प्रवाह को और बेहतर बनाने के लिए, सासाराम में रेल-ओवर-रेल फ्लाईओवर और आरा बाईपास लाइन के कार्यों को हाल ही में मंजूरी दी गई है।

रेल परियोजनाओं को मंजूरी देना भारतीय रेल की सतत और गतिशील प्रक्रिया है और रेल अवसरंचना परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्ग, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं की देयताओं, धन की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

भभुआ रोड-मुंडेश्वरी धाम परियोजना नई लाइन (26 कि.मी.) के साथ आरा-भभुआ रोड नई रेल लाइन परियोजना (125 कि.मी.) का निष्पादन स्वीकृत कार्य है। बहरहाल, कम यातायात क्षमता के कारण इस परियोजना का निष्पादन फिलहाल शुरू नहीं किया जा सका है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में पड़ने वाली परियोजनाओं सहित बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 79,356 करोड़ रुपए की लागत वाली 5,064 किलोमीटर लंबाई की कुल 55 परियोजनाएं (31 नई लाइनें, 02 लाइन परिवर्तन और 22 दोहरीकरण), योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 1194 किलोमीटर लंबाई कमीशन कर दी गई है और मार्च, 2024 तक 26,983 करोड़ रुपए का व्यय हो चुका है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइनें	31	2712	464	13629
आमान परिवर्तन	2	348	288	1520

sk

दोहरीकरण/ मल्टी-ट्रैकिंग	22	2005	442	11834
कुल	55	5064	1194	26983

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसरंचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	1132 करोड़ रु./वर्ष
2025-26	10,066 करोड़ रुपए (लगभग 9 गुना)

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कमीशन की गई/बिछाई गई नई लाइनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किया गया नया रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 कि.मी.	63.6 कि.मी.
2014-24	1669 कि.मी.	166.9 किमी (2.5 गुना से अधिक)

आरा स्टेशन पर वर्तमान में 148 नियमित रेलगाड़ियाँ चलती हैं, जिनमें 12355/12356 राजेंद्र नगर (टी)-जम्मू तवी अर्चना एक्सप्रेस, 12367/12368 भागलपुर-आनंद विहार (टी) विक्रमशिला एक्सप्रेस, 12327/12328 हावड़ा-देहरादून उपासना एक्सप्रेस और 12393/12394 राजेंद्र नगर (टी)-नई दिल्ली संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस शामिल हैं। ये सेवाएँ आरा को दिल्ली, अमृतसर, जम्मू, अहमदाबाद, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, गुवाहाटी आदि जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ती हैं। बहरहाल, 12351/52 राजेंद्र नगर-हावड़ा एक्सप्रेस और 13329/30 धनबाद-पटना गंगा दामोदर एक्सप्रेस आरा से होकर नहीं चलती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल पर रेलगाड़ी सेवाओं के ठहराव और फेरे बढ़ाने का प्रावधान सतत प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता आदि के अध्यधीन है।

sk

विगत में, आरा-जमीरा खंड पर आरा रेलवे स्टेशन के पूर्व की ओर किलोमीटर 591.7 पर समपार संख्या 48 था। इस समपार के बदले ऊपरी सड़क पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और समपार को वर्ष 2021 में बंद कर दिया गया है। जनता की मांग को देखते हुए, इस स्थान पर ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य भी शुरू किया गया है।

आरा में बक्सर स्वास्थ्य इकाई और दानापुर मंडल रेलवे अस्पताल द्वारा सेवाएं दी जाती हैं। बक्सर रेलवे स्वास्थ्य इकाई के रेलवे डॉक्टरों को सप्ताह में दो बार आरा रेलवे जंक्शन पर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैनात किया गया है। इसके अलावा, घायल/बीमार यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों/डॉक्टर के क्लीनिकों तक पहुंचाने के लिए रेलवे द्वारा रेलवे, राज्य सरकार/निजी अस्पतालों और एम्बुलेंस सेवा प्रदाताओं की एम्बुलेंस सेवा का उपयोग किया जाता है।

******

sk